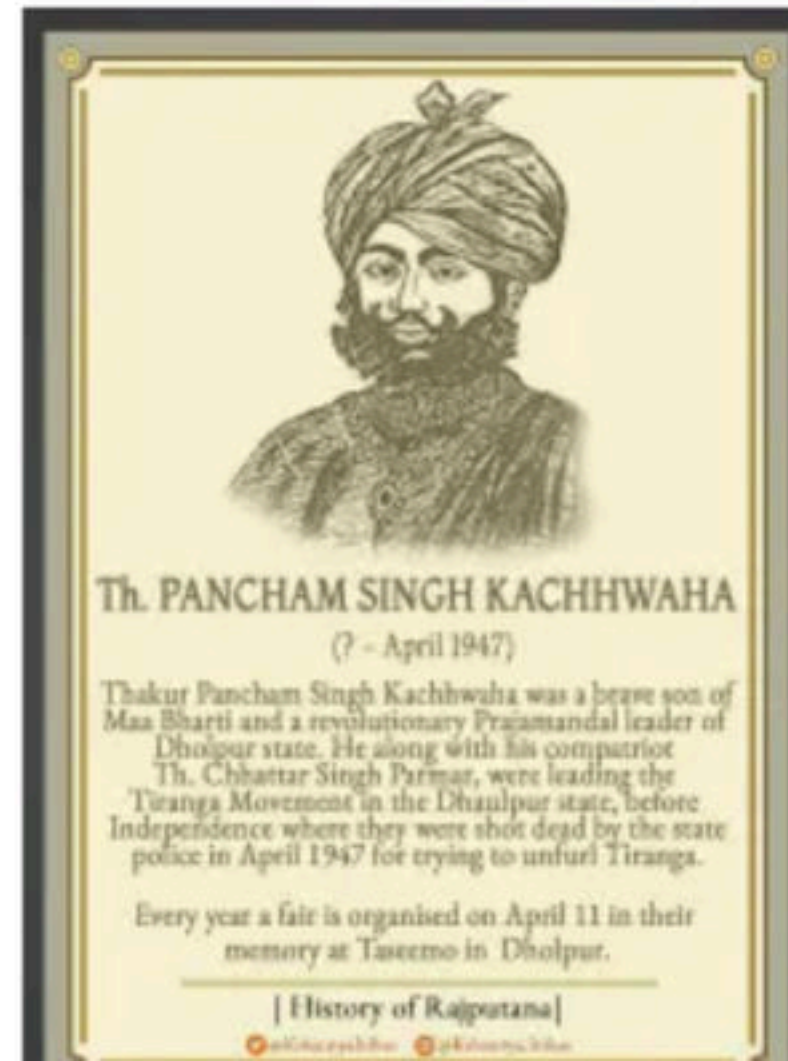


Bikaner Prajamandal

Special class

बीकानेर एवं धौलपुर प्रजामंडल

Important for all Rajasthan exams



धौलपुर प्रजामंडल

- सर्वप्रथम यहा 1910 में आचार सुधारणी सभा बनी थी जो ज्वाला प्रसाद जिज्ञासु एवं यमुना प्रसाद ने बनाई थी।
- तत पश्चात 1934 में नगरी प्रचारणी सभा बनी जिसका काम हिंदी भाषा को बढ़ावा देना था। इसमे भी ज्वाला प्रसाद जिज्ञासु एवं जोहरीलाल इंदु की महत्वपूर्ण भूमिका थी।
- अंततः 1936 में कृष्णदत्त पालीवाल के नेतृत्व में इस प्रजामंडल का गठन हुआ था। जिसने यहाँ जन चेतना का काम किया था।

Dhaulpur Prajamandal

- **Initially a Aachar Pracharni Sabha was created in 1910 by Jwala Prasad Jigyasu and Yamuna Prasad.**
- **Later a Nagri Pracharni Sabha was created in 1934 by Jwala Prasad Jigyasu and Johri Lal Indu.**
- **Finally in 1936 krishnadutt Paliwal created this Prajamandal which was created for public awareness.**

तसीमो हत्याकांड

- दिन था 11 अप्रैल 1947 जब प्रजामंडल के कार्यकर्ताओं की सभा तसीमों गांव में हो रही थी।
ये वो समय था जब देश के कोने कोने से स्वतंत्रता की आवाज बुलंद हो रही थी ।
- नीम के पेड़ के नीचे सभा चल रही थी उस पेड़ पर लहरा रहा था तिरंगा
- जब इसकी खबर पहुंची तो उसी समय प्रशासन वहा दल बल के साथ पहुंचा और तिरंगे झंडे को उतारने के लिये आगे आए।
- तभी सभा में मौजूद ठाकुर छत्तर सिंह परमार एवं पंचम सिंह कुशवाह आगे आये और अंग्रेजो को ललकारा, जिसमे वजह से यहाँ फायरिंग हो गयीं एवं उक्त दोनों मनीषी क्रन्तिकारी की वेदी पर बलिदान हो गए ।

Tassimo Massacre

- **On 11 April 1947 there was a conference was organised in Tassimo village of Dholpur. A flag was unfurled under a tree where as there was a law that flag was prohibited by administration.**
- **So when administration tried to use force then two bravehearts Chattar Singh and Pancham Singh gave there life for this flag.**
- **Even today on 11 April a fair is organised on yearly basis.**

बीकानेर प्रजामंडल

- यहां पहले सर्वहितकारिणी सभा का गठन किया गया है।
- कन्हैयालाल द्रूढ एवं स्वामी गोपालदास ने इसका गठन किया था।
- 1907 ई - चूरु में।
- इन्होंने दलितों के लिए कबीर पाठशाला एवं कन्याओं के लिए पुत्री पाठशाला का निर्माण करवाया था।
- बीकानेर दिग्दर्शन नाम की एक पम्पलेट का प्रकाशन किया था। जिसको गोलमेज सम्मलेन में बंटवाया गया एवं इससे गंगा सिंह की त्योंरिया चढ़ गयीं।
- वही बीकानेर षडयंत्र अभियोग भी चलवाया गया। जिसको स्वामी गोपालदास एवं चांदमल बेहेड को दोषी करार दिया गया।

Bikaner Prajamandal

- **First Sarvahitkarini Sabha has been formed here. • It was formed by Kanhaiyalal Dhundho and Swami Gopaldas in Churu in 1907.**
- **They built Kabir Pathshala for Dalits and Putri Pathshala for girls.**
- **A pamphlet named Bikaner Digdarshan was published. It was presented in Round table conference and this angered Ganga Singh ji.**
- **The same Bikaner conspiracy case was also launched. To whom Swami Gopalwas and ChandmalBehed were convicted.**

बीकानेर प्रजामंडल

- प्रजामण्डल की स्थापना 1936 कलकत्ता में हुई।
- इसके संस्थापक वैध मधाराम जी, मुक्ताप्रसाद एवं रघुवर दयाल गोयल थे।
- वही महिला नेत्री लक्ष्मी देवी आचार्य थी।
- 1937 में प्रजामंडल के स्थान पर 'हितवर्धन सेवा सदन' नामक संस्था का गठन किया।
- बीकानेर के बाबू रघुवरदयाल गोयल, देवीदत्त पंत व मास्टर घमंडीलाल ने गाँधीजी के रचनात्मक कार्य को आगे बढ़ाते हुए बीकानेर में हरिजनोद्धार के लिए गंगा हरिजन होटल खोला।

Bikaner Prajamandal

- **Praja Mandal was established in 1936 in Calcutta.**
- **Its founder were Vaidya Madharam G. Muktaprasad and Raghuvar Dayal Goyal. Female leader was Lakshmi Devi Acharya.**
- **In 1937, in place of Praja Mandal, an institution named 'Hitvardhan Seva Sadan' was formed.**
- **Babu Raghuvardayal Goyal, Devi Dutt Pant and Master Ghamandilal of Bikaner supported Gandhiji.**
- **Taking forward the creative work Ganga Harijan Hotel for Harijnodhar in Bikaner Opened.**

बीकानेर राज्य प्रजा परिषद

- इसकी स्थापना July 1942 में हुई।
- इसके संस्थापक - रघुवर दयाल गोयल थे।
- 22 जुलाई, 1942 को वकील बाबू रघुवर दयाल गोयल के नेतृत्व में 'बीकानेर राज्य प्रजा परिषद' की स्थापना की गई।
- सत्याग्रहियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खादी भंडार के नाम पर काम करने वाले 'राजस्थान चरखा संघ' पर सितम्बर, 1942 में प्रतिबंध लगा दिया गया।

Bikaner Rajya Praja Parishad

- **It was established in July 1942 by Raghuvar Dayal Goyal.**
- **On July 22, 1942, 'Bikaner Rajya Praja Parishad' was established under the leadership of lawyer Raghuvar Dayal Goyal.**
- **In order to curb the activities of Satyagrahis, 'Rajasthan Charkha Sangh', working in the name of Khadi Bhandar, was banned in September, 1942.**

बीकानेर प्रजामंडल

- 26 अगस्त, 1944 को बीकानेर महाराजा ने रघुवर दयाल गोयल को वार्ता के लिए लालगढ़ महल बुलाया।
- जवाहरलाल नेहरू ने बीकानेर की स्थिति के बारे में कहा 'जहाँ शादी की कुमकुम पत्री राज्य द्वारा सेंसर की जाती हो, पर्दे की ओट में जनता पर भीषण अत्याचार किए जाते हों और उसके प्रतिवाद में मनघड़ंत दलीलें दी जाती हों, उस राज्य के शासक इंसान नहीं हैवान हैं।'
- रायसिंहनगर घटना - 30 जून, 1946 | प्रजापरिषद के अध्यक्ष सत्यनारायण सर्राफ थे।
- जुलुस में फायरिंग हुई जिससे बीरबल शहीद हो गया। 17 जुलाई 1946 को बीरबल दिवस मनाया गया
- जांच समिति - हीरालाल शास्त्री एवं गोकुल भाई भट्ट थे।

Bikaner Prajamandal

- **On August 26, 1944, Bikaner Maharaja called Raghavar Dayal Goyal to Lalgarh Palace for talks.**
- **Jawaharlal Nehru said about the situation in Bikaner where Kumkum Patri of marriage is censored by the state, terrible atrocities are committed on the public under the guise of veil and fabricated arguments are given in its protest, the ruler of that state is not a human but a monster**
- **Raisinghnagar incident 30 June 1946- Firing took place in the procession due to which Birbal was martyred. Birbal Day on 17 July 1946.**

बीकानेर प्रजा मंडल

- बीकानेर में किसान आंदोलन
- उदरासर किसान आंदोलन एवं महाजन किसान आंदोलन भी इसी से जुड़े हुए थे।
- दूधवा खारा किसान आंदोलन
- काँगड किसान आंदोलन

Bikaner Prajamandal

- **Peasant movement in Bikaner**
- **Udrasar Kisan Andolan and Mahajan Kisan Andolan were also associated with this.**
- **Dudhwa Khara Farmers Movement and Kangad Kisan Andolan.**

Thank you